BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (BDP PHILOSOPHY)

Term-End Examination

February, 2021

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY PART – I

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer all **five** questions. All questions carry equal marks. Answers to questions no. **1** and **2** should be 400 words each approximately.*

1. State clearly the commonly accepted ideas of Indian Philosophy. *20*

OR

What qualities of the soul have been described as eternal in the Bhagvad Gita ? Discuss. *20*

2. According to the Kath-Upanishad, what is the nature of soul and who is qualified to learn about it ? Explain in detail. *20*

OR

Explain the Buddhist doctrine of Pratityasamutpada in detail. *20*

3. Answer any ***two*** of the following questions in about 200 words each :

(a) Discuss Charvaka's refutation of permanent soul as a substance. *10*

(b) Give an account of age of Mantras, Brahmanas and Aranyakas. *10*

(c) Explain the metaphysics of Jainism. *10*

(d) What are the philosophical implications of 'Tajjalanjti' as given in Chandogya Upanishad ? Elaborate. *10*

4. Answer any ***four*** of the following questions in about 150 words each :

(a) Write a short note on the classification of the Vedas. *5*

(b) What are the characteristics of soul discussed in Mandukya Upanishad ? *5*

(c) What is the concept of *Prana* in Prashna Upanishad ? *5*

(d) State the three visualisations of creation in Aitareopanishad. *5*

(e) Explain the vision of life in Isha Upanishad. *5*

(f) Give a brief account of Vyakarna, Chandas and Nirukta. *5*

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about 100 words each :

(a) Syadavada *4*

(b) Concept of Rta *4*

(c) Aparavidya *4*

(d) Jivanmukti *4*

(e) Mythology *4*

(f) Nirvana *4*

(g) Bheeshma's Political Philosophy *4*

(h) Monism *4*

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी. दर्शनशास्त्र)
सत्रांत परीक्षा
फरवरी, 2021

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शनशास्त्र

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग – I

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं । प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर लगभग 400 शब्दों (प्रत्येक) में होने चाहिए ।*

---

1. भारतीय दर्शन में सामान्यतया स्वीकृत विचारों का सुस्पष्ट उल्लेख कीजिए । *20*

अथवा

किन गुणों के कारण भगवद् गीता में आत्मा को शाश्वत माना गया है ? चर्चा कीजिए । *20*

2. कठ-उपनिषद् के अनुसार, आत्मा की प्रकृति क्या है और कौन इसे जानने का अधिकारी है ? विस्तृत व्याख्या कीजिए । *20*

अथवा

बौद्धों के प्रतीत्यसमुत्पाद के सिद्धांत की विस्तृत व्याख्या कीजिए । *20*

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) चार्वाक द्वारा नित्य आत्मा का द्रव्य के रूप में खण्डन का विवेचन कीजिए । *10*

(ख) मंत्र, ब्राह्मण और आरण्यकों के युग का विवरण दीजिए । *10*

(ग) जैनधर्म की तत्त्वमीमांसा की व्याख्या कीजिए । *10*

(घ) छांदोग्य उपनिषद् में वर्णित 'ताज्जलानिती' के दार्शनिक निहितार्थ क्या हैं ? व्याख्या कीजिए । *10*

4. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) वेदों के वर्गीकरण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए । *5*

(ख) माण्डूक्य उपनिषद् में वर्णित आत्मा के गुण क्या हैं ? *5*

(ग) प्रश्न उपनिषद् में वर्णित *प्राण* की अवधारणा क्या है ? *5*

(घ) ऐतरेय उपनिषद् में प्रस्तुत तीन सृष्टि निर्माण दृष्टियाँ कौन-सी हैं ? *5*

(ङ) ईश उपनिषद् की जीवन दृष्टि की व्याख्या कीजिए । *5*

(च) व्याकरण, छन्द एवं निरुक्त का संक्षिप्त विवरण दीजिए । *5*

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग 100 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) स्याद्वाद *4*

(ख) ऋत् की अवधारणा *4*

(ग) अपराविद्या *4*

(घ) जीवनमुक्ति *4*

(ङ) मिथकशास्त्र *4*

(च) निर्वाण *4*

(छ) भीष्म का राजनीति दर्शन *4*

(ज) एकतत्त्ववाद (मोनिज़्म) *4*